7 राजस्थान की यात्रा

(पत्र-लेखन)

प्रिय सोनम

ढेर सारा प्यार।

मैं पिछले सप्ताह मम्मी-पापा के साथ राजस्थान घूमकर आई हूँ। इस पत्र के द्‌वारा मैं तुम्हें अपनी राजस्थान यात्रा के बारे में बता रही हूँ।

राजस्थान को राजा-महाराजाओं के प्रदेश के रूप में जाना जाता है। यहाँ राणा साँगा और महाराणा प्रताप जैसे महान वीरों ने जन्म लिया था। राजस्थान किलों व महलों के लिए प्रसिद्‌ध है। अजमेर, चित्तौड़गढ़, आमेर और भरतपुर के किलों को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल हो या उदयपुर का जलमहल सभी राजस्थान की सुंदरता में चार चाँद लगा देते हैं।

राजस्थान के लोग संगीत प्रेमी होते हैं। उनके लोक-नृत्य और लोक-संगीत को देखकर ऐसा लगता है कि मानों राजस्थान के कण-कण में संगीत रचा-बसा हो। हाथों में मेंहदी लगाए, सितारों से जड़ी रंग-बिरंगी घाघरा-चोली पहने जब *बालाएँ* नृत्य करती हैं, तो बहुत खूबसूरत लगती हैं। उनके साथ सिर पर बड़ी-बड़ी पगड़ियाँ पहनकर थिरकते पुरुष भी *आकर्षक* लगते हैं।

बाँधनी राजस्थान की *परंपरागत* कला का अद्‌भुत नमूना है। इसमें कपड़े को अलग-अलग स्थानों पर डोर से बाँधा जाता है। बाद में उस कपड़े को रँगकर उस डोर को खोल देते हैं। डोर खुलते ही सुंदर बूटियों के अथवा लहरियों के नमूने बन जाते हैं। राजस्थानी साड़ियाँ व पगड़ियाँ अधिकतर बाँधनी या लहरियों वाले कपड़े से ही बनी होती हैं।

इसके अतिरिक्त राजस्थान के लोग कठपुतली बनाने की कला, *नक्काशी*, कसीदाकारी और लघु चित्रकारी में भी *प्रवीण* हैं।

राजस्थान को रेगिस्तानी प्रदेश के रूप में जाना जाता है। वैसे तो गाय, भैंस और भेड़ सभी यहाँ देखने को मिलते हैं परंतु ऊँट यहाँ का मुख्य पशु है। इसे 'रेगिस्तान का जहाज' भी कहा जाता है क्योंकि ऊँट कई दिनों तक बिना खाए-पिए रह सकता है। इसके पैर गद्दीदार होते हैं, जिसकी सहायता से यह रेतीली जमीन पर आसानी से चल सकता है। *प्राचीन* काल में राजस्थान के लोग एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए ऊँट का प्रयोग करते थे। आज भी यहाँ कुछ शहरों जैसे जोधपुर, बाड़मेर में ऊँट *परिवहन* का मुख्य साधन है।

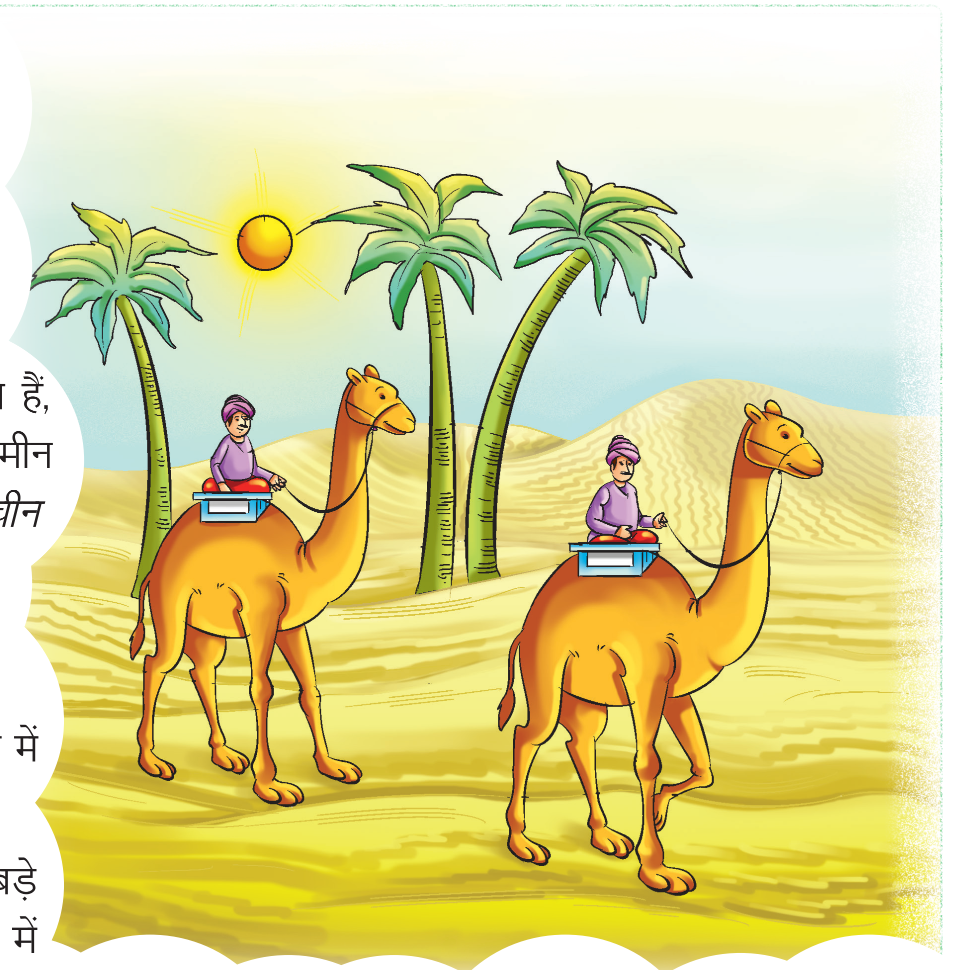

राजस्थान के लोग सभी पर्वों को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। जयपुर में हाथी मेला, गणगौर महोत्सव, तीज महोत्सव तथा शीतला अष्टमी का मेला बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। सचमुच राजस्थान घूमने के बाद तो दिल बाग-बाग हो गया। तरह-तरह की लोक-संस्कृतियों, लोक-कलाओं और *शिल्पकला*ओं को अपनी गोद में समेटे हुए, *जीवंत* हो गई है। शेष बातें मिलने पर बताऊँगी।

आंटी-अकंल को मेरी नमस्ते कहना। वैभव को मेरी तरफ से ढेर सारा प्यार देना।

तुम्हारी सखी
नमिता

शब्द-अर्थ

पर्यटक — सैलानी *(tourist)*,
आकर्षक — सुंदर *(beautiful)*,
नक्काशी — खोदकर बेल-बूटे बनाने *(carving)*,
प्रवीण — कुशल *(trained)*,
प्राचीन — पुराना *(ancient)*,
शिल्पकला — हाथ की कला *(handicraft)*,
बालाएँ — लड़कियाँ *(girls)*,
परंपरागत — रीति-रिवाज *(traditional)*,
कसीदाकारी — कपड़े पर बेल-बूटे बनाने का काम *(embroidery)*,
परिवहन — यातायात *(transport)*,
जीवंत — जीता-जागता *(living)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

प्रसिद्ध	चित्तौड़गढ़	पर्यटक	राजस्थान	नृत्य
आकर्षक	चित्रकारी	अद्भुत	पगड़ियाँ	बाँधनी
नक्काशी	कसीदाकारी	महोत्सव	संस्कृतियों	शिल्पकला

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) सोनम को किसने चिट्ठी लिखी?

(ख) राजस्थान की परंपरागत कला कौन-सी है?

(ग) कौन-से प्रदेश को रेगिस्तानी प्रदेश के रूप में जाना जाता है?

(घ) कौन-से शहरों में ऊँट परिवहन का मुख्य साधन है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) प्रस्तुत पत्र में किस स्थान के बारे में बात की गई है?

☐ लखनऊ ☐ हरियाणा ☐ राजस्थान

(ख) 'रेगिस्तान का जहाज' किसे कहा जाता है?

☐ ऊँट ☐ हाथी ☐ जिराफ

(ग) राजस्थान के लोग सभी पर्वों को .... से मनाते हैं।

☐ जोश ☐ उत्साह ☐ उल्लास

(घ) राजस्थान के लोग .... प्रेमी होती है।

☐ खाद्य ☐ नृत्य ☐ संगीत

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

गद्देदार, संगीत प्रेमी, बाँधनी, किलों

(क) राजस्थान .... के लिए बहुत प्रसिद्ध है।

(ख) ऊँट के पैर .... होते हैं।

(ग) राजस्थान के लोग .... होते हैं।

(घ) .... राजस्थान की कला का अद्‌भुत नमूना है।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए—

(क) सोनम लखनऊ घूमकर आई थी। ☐

(ख) राजस्थान किलों, महलों के लिए प्रसिद्‌ध है। ☐

(ग) राजस्थान के पुरुष टोपियाँ पहनते हैं। ☐

(घ) बाँधनी राजस्थान की परंपरागत कला का अद्‌भुत नमूना है। ☐

(ङ) राजस्थान में ऊँट परिवहन का मुख्य साधन है। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) राजस्थान को कौन-सी नगरी के रूप में जाना जाता है?

(ख) राजस्थान के प्रमुख किले कौन-कौन से हैं?

(ग) ऊँट को 'रेगिस्तान का जहाज' क्यों कहा जाता है?

(घ) राजस्थान के प्रमुख पर्वों के नाम बताइए।

(ङ) राजस्थान की प्रमुख कलाएँ कौन-कौन सी हैं?

भाषा-ज्ञान

1. बाईं ओर दिए गए शब्दों के सही बहुवचन शब्द पर (✓) लगाइए—

(क) कला – ☐ कलें ☐ कलों ☐ कलाएँ

(ख) बाला – ☐ बालाये ☐ बालाएँ ☐ बालायें

(ग) वस्तु – ☐ वस्तुएँ ☐ वस्तें ☐ वस्तूयें

(घ) कपड़ा – ☐ कपड़ाओं ☐ कपड़ाएँ ☐ कपड़े

(ङ) सितारा – ☐ सितारे ☐ सितारों ☐ सिताराओं

2. दिए गए वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए—

(क) मैं तुम्हें राजस्थान के बारे में बता रही हूँ।

(ख) राजस्थान घूमने के बाद तो मजा आ गया।

(ग) ऊँट कई दिनों तक बिना खाए-पिए रह सकता है।

(घ) राजस्थान के लोग सभी पर्वों को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं।

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

(क) जो चित्र बनाता है – ....

(ख) राजस्थान में रहनेवाला – ....

(ग) सात दिन का समूह – ....

(घ) जो संगीत से प्रेम करता है – ....

(ङ) जो देश-विदेश में घूमता है – ....

4. प्रत्येक पंक्ति में जो शब्द समानार्थक नहीं है उस पर (✓) लगाइए–

(क)	☐ प्रसन्नता	☐ खुशी	☐ हर्ष	☐ दुःख
(ख)	☐ अद्‌भुत	☐ अनोखा	☐ न्यारा	☐ अपार
(ग)	☐ पर्व	☐ पूर्व	☐ त्योहार	☐ उत्सव
(घ)	☐ भूमि	☐ जमीन	☐ धरोहर	☐ धरा

5. सचमुच राजस्थान घूमने के बाद तो दिल बाग-बाग हो गया। 'दिल बाग-बाग होना' एक मुहावरा है। इसका अर्थ है–बहुत खुश होना।

- नीचे खुशी से जुड़े कुछ मुहावरे दिए गए हैं, उनसे वाक्य बनाइए–

(क) बाँछें खिलना – ....

....

(ख) फूला न समाना – ....

....

(ग) अंग-अंग मुस्कुराना – ....

....

(घ) खुशी से झूम उठना – ....

....

क्रियात्मक गतिविधि

- आप गरमियों की छुट्टियों में जहाँ भी घूमने गए हों, वहाँ के दर्शनीय स्थलों के चित्रों का संग्रह करके स्क्रैप फाइल में लगाइए और उनके नाम लिखिए।
- आप गरमियों की छुट्टियों में कहाँ-कहाँ घूमने गए? अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए।